भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 22 सितम्बर, 2025
जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: (i) आज, 22 सितंबर, 2025 को उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना है।

(ii) 25 सितंबर के आसपास पूर्व-मध्य और उससे सटे उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक और निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

(iii) दक्षिण-पश्चिम मानसून आज गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के कुछ और हिस्सों से वापस चला गया है। अगले 2-3 दिनों के दौरान गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के कुछ और हिस्सों; उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून के वापस लौटने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल होती जा रही हैं।

पिछले 24 घंटों में 22 सितम्बर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तमिलनाडु और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- पश्चिम मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, ओडिशा, झारखंड, त्रिपुरा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी:

- दक्षिण-पश्चिम मानसून आज, 22 सितंबर 2025 को गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के कुछ और हिस्सों से वापस चला गया है।
- अगले 2-3 दिनों के दौरान गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के कुछ और हिस्सों; उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल होती जा रही हैं।
- दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा अब 32°N/74°E, तरनतारन, संगरूर, जींद, रेवाड़ी, टोंक, महेसाणा, पोरबंदर, 21°N/68°E से होकर गुजरती है। **(अनुलग्नक II)**

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक III और IV देखें):

- उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे म्यांमार-दक्षिण बांग्लादेश तटों के प्रभाव में, आज सुबह 0530 बजे IST पर उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना है और यह आज, 22 सितंबर 2025 को सुबह 0830 बजे IST पर उसी क्षेत्र में बना रहा। अगले 24 घंटों के दौरान इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ने की संभावना है।
- एक द्रोणिका उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और उसके आसपास के क्षेत्रों में निम्न दबाव क्षेत्र से जुड़े ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण से मध्य बंगाल की खाड़ी, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना होते हुए निचले क्षोभमंडल स्तरों में उत्तरी कर्नाटक तक जाती है।
- 25 सितंबर के आसपास पूर्व-मध्य और उससे सटे उत्तरी बंगाल की खाड़ी में एक और नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है इसके 27 सितंबर के आसपास दक्षिण ओडिशा-उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों को पार करने की बहुत संभावना है।
- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण तटीय आंध्र प्रदेश के मध्य भागों और आसपास के क्षेत्रों पर और दूसरा दक्षिण तमिलनाडु और मध्य क्षोभमंडल स्तरों पर स्थित है।

पूर्व और मध्य भारत:

- ओडिशा, छत्तीसगढ़ में 22 से 27 सितंबर तक; बिहार में 25 और 26 सितंबर को; झारखंड में 23 से 25 सितंबर तक; गंगीय पश्चिम बंगाल में 22 और 23 सितंबर को; पश्चिम मध्य प्रदेश में 22 सितंबर को; विदर्भ में 24 से 27 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- ओडिशा में 22, 23, 25 और 26 सितंबर को; गंगीय पश्चिम बंगाल में 22 सितंबर को; छत्तीसगढ़ में 24 और 25 सितंबर को बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक पूर्वी भारत में गरज के साथ 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- मध्य महाराष्ट्र में अगले 7 दिनों तक (24 सितंबर को छोड़कर); कोंकण और गोवा में 22 सितंबर और 25 से 28 सितंबर तक; मराठवाड़ा में 22, 23, 26 और 27 सितंबर को; गुजरात क्षेत्र में 22 सितंबर को कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ तूफान और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- मराठवाड़ा में 22 सितंबर को; कोंकण और गोवा में 26 से 28 सितंबर तक; मध्य महाराष्ट्र में 22 सितंबर और 26 से 28 सितंबर तक बहुत भारी बारिश की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- असम और मेघालय में 23 से 25 सितंबर तक; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 22 से 24 सितंबर और 28 सितंबर को कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश/गरज के साथ तूफान और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 22 से 28 सितंबर तक; तमिलनाडु, केरल और माहे में 22, 26 और 27 सितंबर को; रायलसीमा, तटीय और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 26 से 28 सितंबर तक कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ तूफान और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- मछुआरों को 22 से 27 सितंबर के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:

- **अरब सागर:** 22 से 27 सितंबर के दौरान दक्षिण-पश्चिम और आसपास के पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्से, सोमालिया तट के साथ और उसके आसपास न जाने की सलाह दी जाती है।

- **बंगाल की खाड़ी:** 22 से 27 सितंबर के दौरान मन्नार की खाड़ी और आसपास का कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के ऊपर श्रीलंका तट के साथ और उसके आसपास, 22 से 24 सितंबर के दौरान पूर्व-मध्य, उत्तर-पूर्व और आसपास के क्षेत्र; 25 सितंबर को बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्से; 25 और 26 सितंबर को पूरी बंगाल की खाड़ी; 21 सितंबर को उत्तरी बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 25 से 27 सितंबर के दौरान उत्तरी बंगाल की खाड़ी के पूरे मध्य और अधिकांश हिस्सों में और तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा तटों के साथ और उसके आसपास; और 22 से 27 सितंबर को पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश, म्यांमार तटों के साथ और उसके आसपास; 22 से 27 सितम्बर के दौरान अंडमान सागर में न जाने की सलाह दी जाती है।**s**

ii. 22 सितम्बर से 25 सितंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **मराठवाड़ा**: पैठण (जिला छ. संभाजीनगर) 20; भूम (जिला धाराशिव) 17; पटोदा (जिला बीड) 15; धारुर (जिला बीड) 9; लोहारा (जिला धाराशिव), जियोराई (जिला बीड) 8 प्रत्येक; वाशी (जिला धाराशिव), परंदा (जिला धाराशिव), उमरगा (जिला धाराशिव) 7 प्रत्येक;
- **तेलंगाना**: आत्मकुर एम (जिला वाई. भुवनागिरी) 16; अल्लादुर्ग (जिला मेडक), देवरुप्पल (जिला जनगांव) 12 प्रत्येक; डोमा (जिला विकाराबाद), इब्राहिमपटनम (जिला रंगारेड्डी), येलारेड्डी (जिला कामारेड्डी), पर्वतगिरि (जिला वारंगल), सथुपल्ले (जिला खम्मम), कोडकंदला (जिला जंगाण) 9 प्रत्येक; पालकुर्थी (जिला जनगांव) 8; पिनापाका (जिला बी. कोठागुडेम), हयातनगर (जिला रंगारेड्डी), कोडंगल (एआरजी) (जिला विकाराबाद) 7 प्रत्येक;
- **मध्य महाराष्ट्र:** पचोरा (जिला जलगांव) 14; माधा (जिला शोलापुर) 12; जेउर - आईएमडी अंशकालिक (जिला शोलापुर) 10; दहीगांव - एफएमओ (जिला जलगांव) 9; चास एआरजी (जिला अहिल्यानगर) 8; अहिल्यानगर - आईएमडी पं (जिला अहिल्यानगर) 7;
- **तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल:** आरएससीएल-2 नेमूर (जिला विल्लुपुरम) 12; चेटपेट (जिला तिरुवन्नामलाई) 11; अरणी (जिला तिरुवन्नामलाई) 9; आरएससीएल-3 वैलाथी (जिला विल्लुपुरम) 7;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक**: बादामी (जिला बागलकोट) 11; तिदागुंडी एग्रो (जिला विजयपुरा) 8; बिल्गी (इरि.) (जिला बागलकोट), केरूर (जिला बागलकोट), मानवी (जिला रायचूर) 7 प्रत्येक;
- **त्रिपुरा**: बुधजोंगनगर एआरजी (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 11; सबरूम (जिला दक्षिण त्रिपुरा) 8; अरुंधतिनगर (जिला पश्चिम त्रिपुरा), सबरूम एडब्ल्यूएस (जिला दक्षिण त्रिपुरा) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश:** खातेगांव (जिला देवास) 9; घाटिया (जिला उज्जैन) 7;
- **ओडिशा**: गोप (जिला पुरी) 8;
- **झारखंड**: पुटकी (जिला धनबाद) 8; पुटकी डीवीसी (जिला धनबाद) 7;
- **तटीय आंध्र प्रदेश और यानम:** पार्वतीपुरम (जिला पार्वतीपुरम मान्यम) 8;
- **पूर्वी राजस्थान:** वल्लभनगर (जिला उदयपुर), राशमी एसआर (जिला चित्तौड़गढ़) 7 प्रत्येक।

अनुलग्नक II

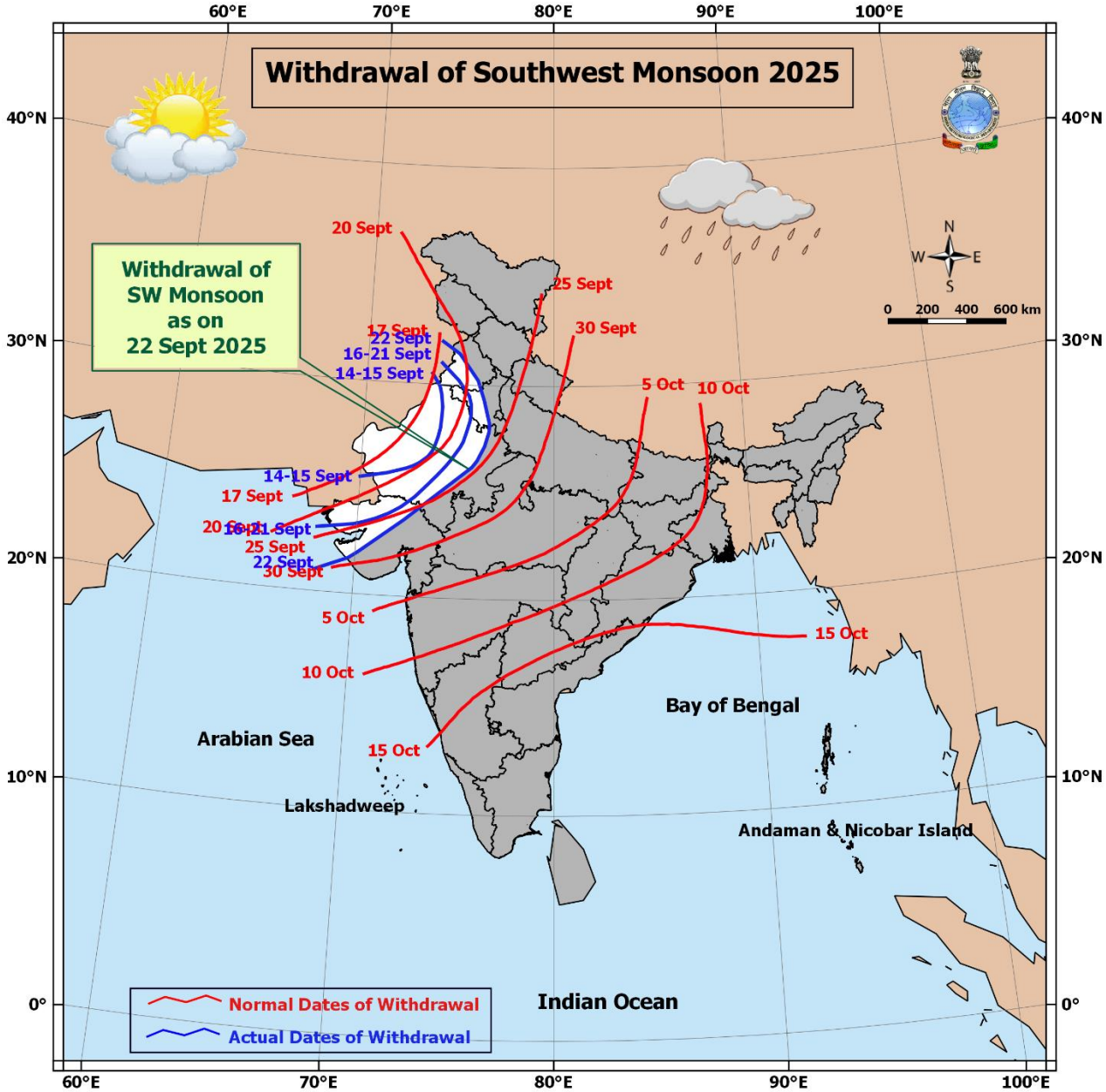
Withdrawal of Southwest Monsoon 2025
Withdrawal of SW Monsoon as on 22 Sept 2025
20 Sept
25 Sept
30 Sept
5 Oct
10 Oct
15 Oct
17 Sept
22 Sept
16-21 Sept
14-15 Sept
14-15 Sept
17 Sept
20 Sept
16-21 Sept
25 Sept
22 Sept
30 Sept
5 Oct
10 Oct
15 Oct
Arabian Sea
Bay of Bengal
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
Indian Ocean
Normal Dates of Withdrawal
Actual Dates of Withdrawal
0 200 400 600 km
N
S
W
E
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
40°N
30°N
20°N
10°N
0°

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	22- Sep	23- Sep	24- Sep	25- Sep	26- Sep	27- Sep	28- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	WS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	SCT	FWS	FWS	WS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	SCT	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
25	MARATHWADA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
26	VIDARBHA	FWS	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	SCT
29	TELANGANA	FWS	FWS	SCT	FWS	WS	WS	WS
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

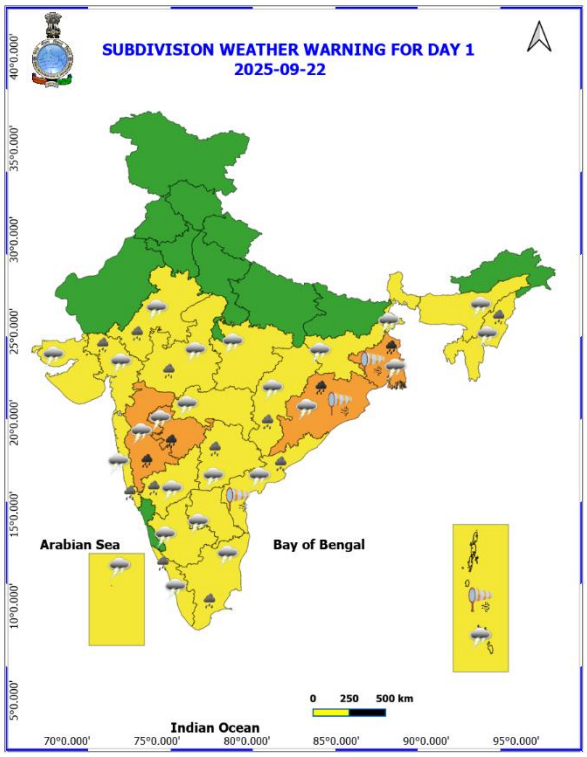
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-09-22
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

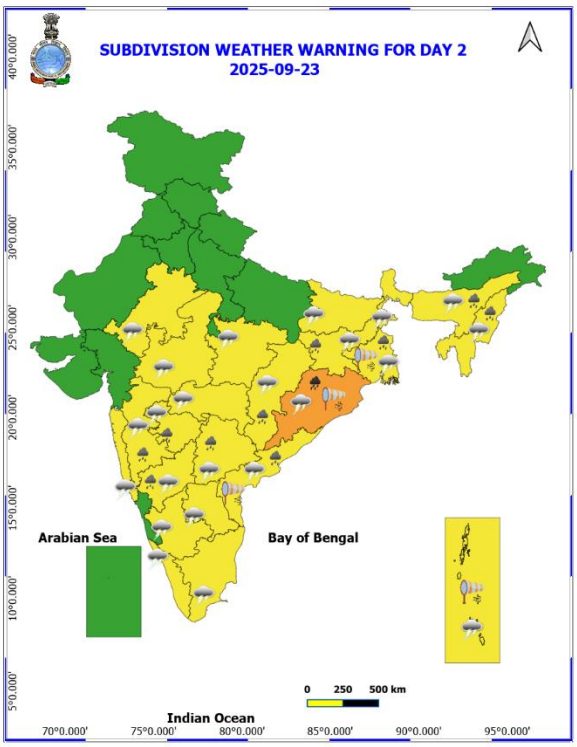
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-09-23
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

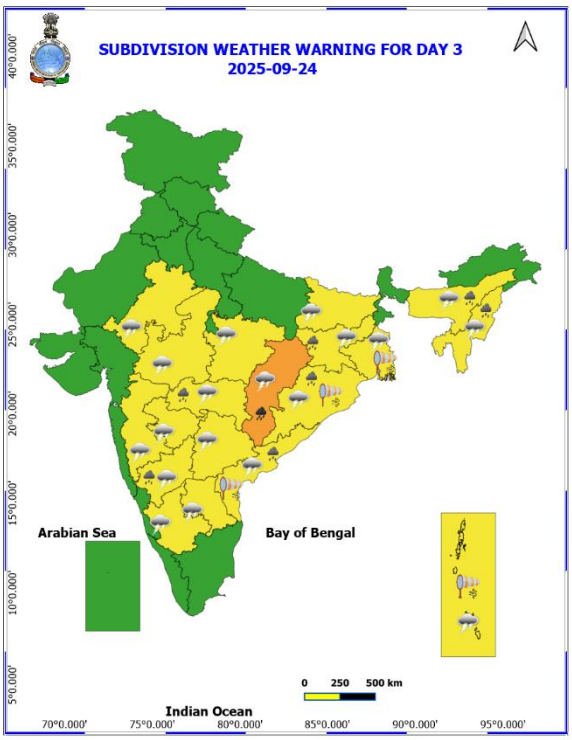
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-09-24
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

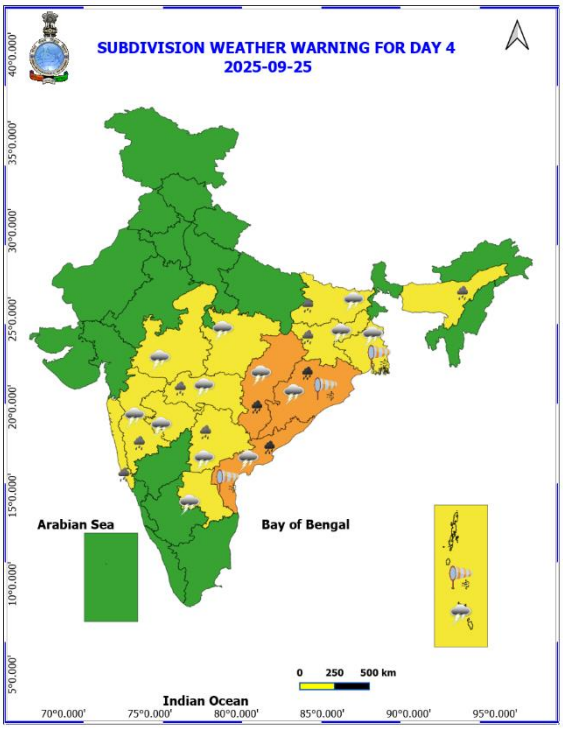

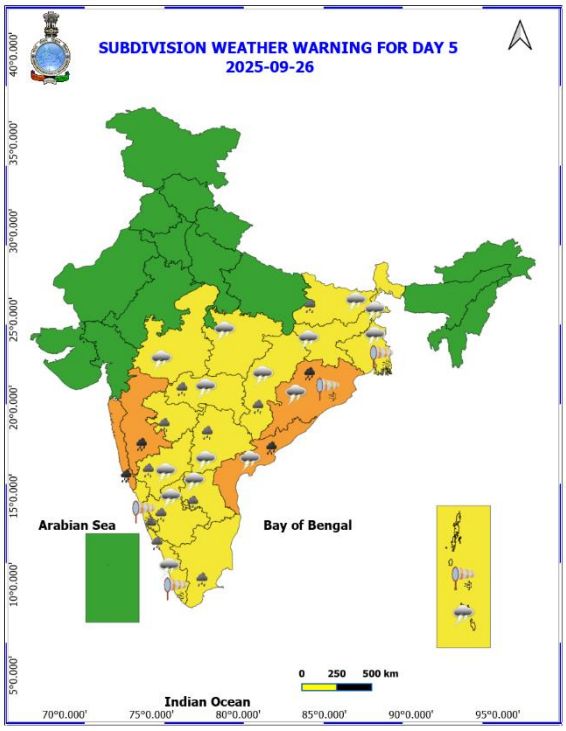

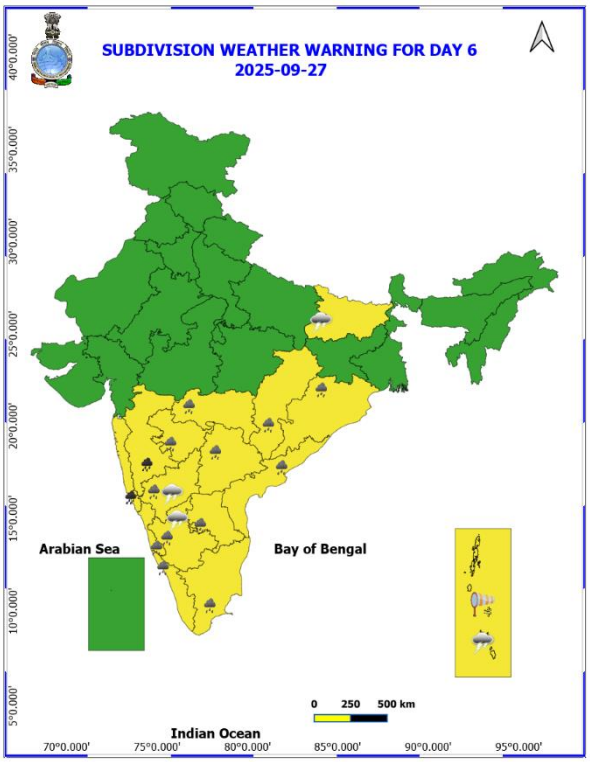

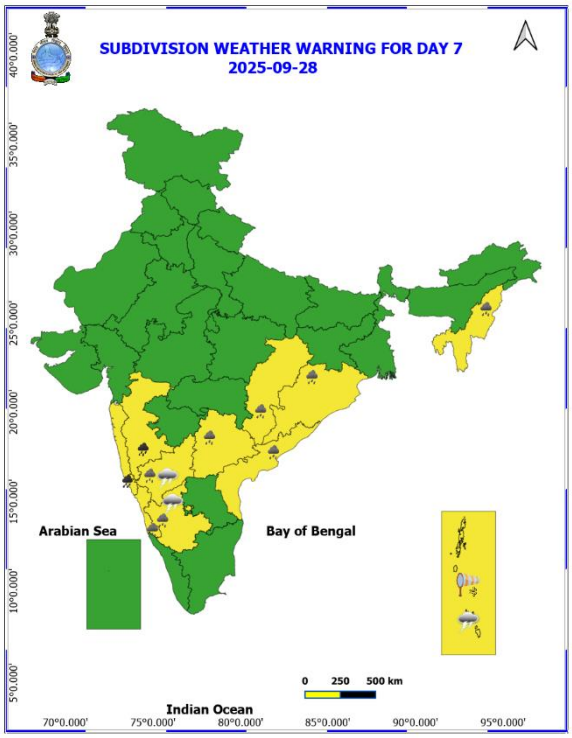

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर में 22 से 25 सितंबर 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों में दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब थे। आंशिक रूप से बादल छाए रहने की स्थिति थी, जिसमें मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम/पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ हवा चली, और कभी-कभी 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ झोंकेदार हवाएं चलीं। आज सुबह क्षेत्र में मुख्य रूप से साफ आसमान था, और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 14 किमी प्रति घंटे से कम रफ्तार की हवा चली।

मौसम पूर्वानुमान:

22.09.2025: मुख्य रूप से साफ आसमान रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से दोपहर के समय 15-20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटे से कम होगी और दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलेगी।

23.09.2025: मुख्य रूप से साफ आसमान रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेंगे। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे से कम होगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलेगी।

24.09.2025: मुख्य रूप से साफ आसमान रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 20-22 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे से कम होगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलेगी।

25.09.2025: मुख्य रूप से साफ आसमान रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 20-22 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे से कम होगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलेगी।

बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ ओडिशा में 22, 23, 25 और 26 सितंबर को; गंगीय पश्चिम बंगाल में 22 सितंबर को; छत्तीसगढ़ में 24 और 25 सितंबर को; मराठवाड़ा में 22 सितंबर को; कोंकण और गोवा में 26 से 28 सितंबर तक; मध्य महाराष्ट्र में 22 सितंबर और 26 से 28 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- निचले इलाकों और नदी तटों के कई हिस्सों में जलभराव/बाढ़।
- नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान।
- यातायात प्रवाह में प्रमुख व्यवधान। प्रमुख सड़कें/स्थानीय ट्रेनें प्रभावित।
- बहुत पुरानी इमारतों और अनुरक्षित न की गई संरचनाओं के लिए खतरा, पेड़ों के गिरने की संभावना।
- निचले जल पुलों को पार करने वाली सड़कों का बंद होना।

सुझाई गई कार्रवाई:

- यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने की सलाह दी जाती है।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ ओडिशा में, उत्तर मध्य पठारी क्षेत्र में कद्दू, भिंडी, बैंगन आदि जैसी परिपक्व सब्जियों की कटाई करें तथा उन्हें सुरक्षित स्थान पर संग्रहित करें और धान, मूंग, मक्का, अरहर, रागी और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु जल निकासी नालियों का रखरखाव करें। उत्तर पूर्वी घाट क्षेत्र में मक्का, रागी और सब्जियों के खेतों से तथा पूर्वी घाट उच्च भूमि क्षेत्र और दक्षिण पूर्वी घाट क्षेत्र में धान, अरहर, मक्का, अदरक और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें।
- ➢ गांगेय पश्चिम बंगाल में, तटीय लवणीय क्षेत्र में शीतकालीन सब्जी के खेतों और पान के बागानों में तथा लैटेराइट और लाल मृदा क्षेत्र में धान और सब्जी के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ➢ झारखंड में, पश्चिमी पठारी क्षेत्र में अरहर, मक्का, रागी और सब्जियों के खेतों में अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- ➢ छत्तीसगढ़ में, धान, मक्का, मूंगफली, अरहर, उड़द और सब्जियों के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।
- ➢ महाराष्ट्र में, मध्य महाराष्ट्र में परिपक्व मूंगफली और ज्वार की फसल की कटाई करें तथा काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें और कपास, अरहर, सोयाबीन, मक्का एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें। मराठवाड़ा में, उड़द की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें तथा सोयाबीन, कपास, अरहर एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा प्रदान करें।
- ➢ गुजरात में, दक्षिण गुजरात क्षेत्र में अरंडी, कपास एव अरहर के खेतों और फलों के बागानों से (केला और आम) अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- ➢ उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में, उत्तरी शुष्क क्षेत्र में गन्ना, अरहर, सोयाबीन, मक्का एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।
- ➢ आंध्र प्रदेश में, उत्तरी तटीय क्षेत्र में धान, मक्का, कपास, मेस्ता, मूंग, उड़द, मूंगफली, गन्ना और सब्जियों के खेतों से तथा उच्च ऊंचाई वाले जनजातीय क्षेत्र में धान, गन्ना, मक्का, रागी, मूंगफली, अदरक, हल्दी एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- ➢ तेलंगाना में, दक्षिणी तेलंगाना क्षेत्र में धान, कपास, सोयाबीन, मक्का और अरहर की फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी का प्रावधान करें।

- मणिपुर में, सोयाबीन और मूंगफली की पकी हुई फलियों की कटाई करें और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, सोयाबीन, मूंगफली, उड़द और अदरक के खेतों में जलभराव न होने दें।
- मिज़ोरम में, मक्के के पके हुए भुट्टों और ऊपरी भूमि पर उगने वाले परिपक्व झूम धान की कटाई करें और काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें।
- नागालैंड में, तिल और झूम धान की कटाई जारी रखें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान और सोयाबीन के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

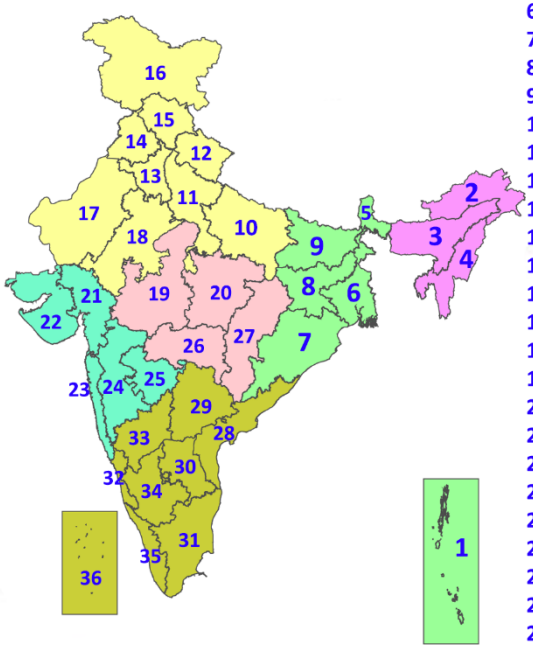

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)